DPL - 03

December - Examination 2015

DPL Examination

प्राकृत व्याकरण एवं रचना

Paper - DPL - 03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्नपत्र तीन खण्डों 'अ', खण्ड 'ब' और 'स' में विभाजित है। खण्ड 'अ' के सभी प्रश्न करने अनिवार्य हैं।

खण्ड – अ $10 \times 2 = 20$

नोट : निम्नलिखित सभी प्रश्नों को करना अनिवार्य है तथा सभी उत्तर की अधिकतम शब्द सीमा 30 शब्द होगी। इस खण्ड का प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1) (i) प्राकृत के पूर्ववर्ती वैयाकरणों के नाम बताइए।

(ii) 'कहना' अर्थ के लिए प्राकृत में कौन–कौनसी क्रियाओं का प्रयोग होता है?

(iii) आचार्य हेमचन्द्र के प्रमुख ग्रन्थों का नाम बताइए।

(iv) 'कत्तु' शब्द की द्वितीया विभक्ति एकवचन का रूप लिखिए।

(v) 'ग्यारह' को प्राकृत में लिखिए।

(vi) सूत्र विश्लेषण का चौथा सोपाल बताइए।

(vii) 'मध्यमस्येत्था – हचौ' सूत्र का सन्धि विच्छेद कीजिए।

(viii) पुरिसो + इति में संधि कीजिए।

(ix) 'इन्दियविसयेसु' में कौनसा समास है?

(x) 'भाववाचक संज्ञा बनानेवाले प्रत्ययों के नाम लिखिए।

खण्ड – ब $4 \times 10 = 40$

नोट : निम्नलिखित में से कोई चार प्रश्न कीजिए। हर प्रश्न 10 (दस) अंक का है। उत्तर की अधिकतम सीमा 200 शब्द है।

2) 'सिंद्ध हेमशब्दानुशान' का परिचय दीजिए।

3) अनियमित भूतकालिक कृदन्त को उदाहरण सहित समझाइए।

4) असमान स्वर – सन्धि को समझाइए।

5) 'अत एवैच से' सूत्र को पाँच सोपानों के माध्यम से समझाइए।

6) कर्ताकारक का प्रयोग कहाँ – कहाँ होता है? स्पष्ट करें।

7) 'डेः स्सिं – म्मि – त्थाः' सूत्र की व्याख्या कीजिए।

8) 'देव' शब्द के रूप सभी विभक्तियों व दोनों वचनों में लिखिए।

9) समास के भेद बताते हुए दंद (द्वन्द्व) समास का उदाहरण सहित समझाइए।

खण्ड – स

$2 \times 20 = 40$

नोट : निम्नलिखित में से दो प्रश्न कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 (बीस) अंकों का है। उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द है।

10) लोप – विधान सन्धि तथा अनुस्वार विधान सन्धि की व्याख्या कीजिए।

11) द्वितीया विभक्ति से सप्तमी विभक्ति तत्पुरिस समास की व्याख्या कीजिए।

12) 'सम्बन्ध्ध' व हेत्वर्धक कृदन्त का उदाहरण सहित समझाइए।

13) कारक का सामान्य परिचय देते हुए कर्म–कारक व करण कारक के प्रयोग को समझाइए।